हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

11 एबीवीपी छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की...

12 भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत नहीं दिया मुआवजा, सहमति...

लॉजिस्टिक हब में कहीं किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ है तो करवाएं जांच सबूत करें पेश

'आई एम नॉट इंटरेस्टेड' शब्द कह नहरी पानी सुधार फाइल को वापस थमाया, फिर कैसा योगदान!

नांगल चौधरी के पूर्व विधायक डा. अभय सिंह यादव ने मीडिया इंटरव्यू में फिर नहरी पानी लिफ्टिंग सुधार पर श्रेय लेने पर बोले

सतीश सैनी ⏭ नारनौल

भाजपा पार्टी में रहकर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव दोनों एक दूसरे पर राजनीति वार कर रहे है। नहरी पानी लिफ्टिंग सुविधा में सुधार का श्रेय लेने पर डा. अभय सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि इसकी जब फाइल रिपोर्ट लेकर राव इंद्रजीत के पास गया तो एक दो पन्ने पलटे और कहा कि आई एम नॉट इंटरेस्टेड कहकर फाइल वापस लौटा दी। कहा आप ही कर लो इसे। फिर किस बात का योगदान? दूसरी बात, जिस लॉजिस्टक हब में जमीन को लेकर भ्रष्टाचार होने की बात कही जा रही है। वह खुद पूरी तरह जांच करवा लें। वह हर तरह की जांच को तैयार है।

मीडिया को दिए इंटरव्यू में नांगल चौधरी के पूर्व विधायक डा. अभय सिंह यादव ने कहा कि मुझे मौका मिला। टिकट मिल गई। एमएलए बन गए और ईमानदारी से पूरे 10 साल इस इलाके में जो कर सकता था, वह किया। सबसे बड़ा मुद्दा नहरी पानी का था। विधानसभा का रिकॉर्ड निकाल के देखिए साल 2014 में जो पहली बार नए एमएलए आए थे, उनको बोलने का जो मौका मिला था, उसमें मैंने पहली स्पीच में पानी का मामला उठाया था। याद है मैंने उनको यह कहा था कि हमारी लिफ्ट इरीगेशन के पंप्स 34-35 साल पुराने हैं। इतनी पुरानी तो किसी घर की छत पर पानी चढ़ाने वाली मोटर भी नहीं मिलती। सीएम मनोहर लाल ने 5-10 दिन बाद ही बुलाया और कहा कि भाषण देता रहेगा या कुछ काम भी लिखकर देगा। फिर मैंने सात-आठ पेज का एक बैकग्राउंड नोट उनको बनाकर दिया था। इसके अंदर लिफ्ट इरीगेशन जो दक्षिण हरियाणा की पानी की प्रॉब्लम थी, पूरी डिटेल थी। क्यों पानी की प्रॉब्लम हुई? राजस्थान ने कैसे हमारा वाटर लेवल नीचे चला गया और एक्सप्लाइटेशन हुआ। लिफ्ट इरिगेशन में जो समस्याएं हैं, उनके बारे में बताया। पानी बहुत थोड़ा आता है। सारी चीजें बताई। उसके बाद में फरवरी 2015 में रात को 10 बजे के करीब सीएम मनोहरलाल के यहां से फोन आया और कहने लगे आपने जो पेपर दिया है, इस पर मैंने एक मीटिंग बुला रखी है।

कल चंडीगढ़ आ सकते हो। मेरे को हंस के कहने लगे कि जितना जैसे आप नारनौल महेंद्रगढ़ के बारे में सोच रहे हो, ऐसे आप पूरे हरियाणा के बारे में सोच के बताया करो। मीटिंग के करीब पांच दिन बाद लिफ्ट इरीगेशन चीफ इंजीनियर अरुण मलिक नारनौल आए और उन्होंने कहा कि आदेश हुए हैं कि मैं आपसे बात करूं। क्या कुछ करना है। उनको सारे पंप्स की कंडीशन वगैरह दिखाई और अल्टीमेटली 143 करोड़ का प्रोजेक्ट बना। जिसमें पूरी लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम की मोटरें नई शामिल की गई। पुराने पावर हाउसेस वगैरह ट्रांसफार्मर्स को चेंज किया गया और लिफ्ट इरीगेशन की जो कैपेसिटी ऑलमोस्ट 90 प्रतिशत तक आ गई। जब वो पूरा लिफ्ट इरीगेशन की ओवर हालिंग हो गई तो तब मुख्यमंत्री को कहा कि हमारी नदियों को जुड़वा देते हैं। इनसे नहर से और तीन महीने कैनाल चलती है। लगातार इस पानी को नदियों में डालेंगे तो वो हमारा रिचार्ज हो गया। क्योंकि मेरी सोच ये थी कि नदियां जब चलती थी तो हमारा इलाका हराभरा था जो ही नदियां 1977 के बाद में जो राजस्थानी की ओर से बंद हुई पूरा इलाका एक तरह से उजड़ गया था। इसी रास्ते से पानी दोबारा डाला गया नदियों में।

पोस्ट कार्डों से तो नहीं आना था पानी

डा. अभय सिंह यादव ने कहा कि कोई किसी ने बहुत इफेक्टिव और सीरियसली सोचा नहीं था और अगर सोचा होगा तो सपने में। मतलब ग्राउंड पर कोई काम नहीं हुआ था। राव इंद्रजीत सिंह ने एक बार नांगल चौधरी में जल प्रबंधन नाम की रैली की थी। उस रैली में इन्होंने लोगों को कहा था कि सुप्रीम कोर्ट को पोस्ट कार्ड लिखो। चिट्ठियां लिखो कि एसवाईएल का फैसला जल्दी हरियाणा के पक्ष में करें। पोस्ट कार्ड भी लिखे गए थे। लेकिन पोस्ट कार्डों से तो पानी नहीं आना था। पानी तो जब व्यवहारिक रूप से एक योजना बनाई गई, उस पर काम किया गया, तब पानी आया। ऐसी व्यवस्था हो गई है कि कोई सरकार आए। कोई मिनिस्टर रहे। जब तक लिफ्ट इरीगेशन पूरी कैपेसिटी पे चलता रहेगा, बारिश में तीन महीने यमुना का पानी हमें मिलता रहेगा। हमारे इस जिले में पानी का क्राइसिस नहीं हो सकता। उसमें राव इंद्रजीत सिंह तो कहीं दूर-दूर नहीं थे लेकिन उसमें भाजपा सरकार जो थी, उसकी इच्छाशक्ति थी। मैं तो सिर्फ एक टूल था। मैं ग्राउंड रियलिटी के आधार पर योजना बना रहा था। मैं राव इंद्रजीत सिंह का रोल बता देता हूं। वो मेरे ख्याल से इस बात को स्वीकार करेंगे। जब ये रिपोर्ट मैंने मुख्यमंत्री जी को दी। मैं इस रिपोर्ट की कॉपी लेके राव साहब के पास गया। यह मैंने रिपोर्ट मुख्यमंत्री को दी है। इस रिपोर्ट के हिसाब से अगर काम शुरू हुआ तो अपने इलाके की पानी की समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी।

अगर अभय सिंह यादव इतने दमखम वाले नेता हैं तो 2024 हार क्यों गए?

इस पर डा. अभय सिंह यादव ने जवाब दिया कि साल 2024 की हार में अकेले राव इंद्रजीत सिंह फैक्टर नहीं है। हां, वो एक दर्जन कारणों में से एक कारण हो सकते हैं। निराला चुनाव था। जिसमें विपक्ष की सारी पार्टियां एक गाड़ी में बैठ कर कंपेन के लिए जाती थी। जेजेपी ने एक कैंडिडेट उतारा था। हमारी पार्टी के तीन बड़े नेता एक का तो आप नाम ही ले रहे हो। दो का मैं नाम नहीं लूंगा। मेरे पास स्पेसिफिक इनफेशन है कि एक दिन रात को अटेली से 11 बजे चले हैं वो 3 बजे तक नांगल चौधरी में चक्कर लगा के गए। उसी दिन अगले दिन मॉर्निंग में मुझे पता लग गया था कि आज रात को आए थे। फोन पर लोगों को कहा है इसको हराओ। उन्होंने यह काम तो 2019 में भी किया था। उनके लोगों की वीडियो है, जिनमें अपोजिशन के कैंडिडेट के लिए स्टेज से बोले हैं। यह बात सत्य है कि राव साहब 2014 में पार्टी के स्टार प्रचारक की हैसियत से तीन बार नांगल चौधरी आए थे। उसका मैं आज भी एहसान मानता हूं। दरअसल राव साहब के साथ एक दिक्कत है। बहुत बड़े परिवार से हैं। नेता भी बड़े हैं लेकिन दिल बहुत छोटा है।

लॉजिस्टक हब की जमीन पर भ्रष्टाचार को लेकर रखा पक्ष

लॉजिस्टिक हब मसले पर राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि नांगल चौधरी में जो लॉजिस्टिक हब बन रहा है, उसमें भारी करप्शन है। लैंड परचेस में घपलेबाजी हुई है। अभी नाम किसी का नहीं ले रहे है। जानकारी इकट्ठा कर रहा है और बहुत जल्द इस पर खुलासा करेंगे। इस सवाल पर डा. अभय सिंह यादव ने जवाब दिया कि जहां तक लॉजिस्टिक अब की बात है। मुख्यमंत्री बैठे थे। संजीव कौशल बैठे थे। उनके साथ मैं बैठा था। मैंने लाइटली अंदाज में कहा आप इतनी महंगी जबरदस्ती क्यों ले रहे हो जमीन? आप हमारे पास आओ नांगल चौधरी में। मैं आपको इससे कम पैसे में दिलवाऊंगा। यह बावल वाली जमीन तो फ्रेट कॉरिडोर से शायद एक किलोमीटर दूर है। हम आपको रेल की पटरी के ऊपर जमीन देंगे। बाद में उनको तीन साइट दिखाई। एक साइट जो प्रेजेंट बन रहा है यह उन्होंने पसंद किया। एचएसआईडीसी ने डायरेक्ट किसानों को पैसा दिया है। मुझे नहीं मालूम कि चेक से दिया है कि आरटीजीए से दिया लेकिन किसानों के खाते में डायरेक्ट गया है। एचएससीआई डीसी के खाते से जितना पैसा निकला है वह किसान के खाते में गया है। सभी किसानों को एक रेट पर पैसा दिया है। यह नहीं, किसी को कम रेट पर दिया हो, किसी को ज़्यादा दिया हो। 30 लाख रुपये प्रति एकड़ सभी की खरीदी गई थी। मेरा मानना है कि इसमें किसी भी व्यक्ति द्वारा करप्शन का स्कोप नजर नहीं आता, क्योंकि ये डायरेक्ट परचेस थी। लेकिन फिर भी राव इंद्रजीत सिंह बहुत सीनियर नेता हैं। उन्होंने कोई बात कही है तो इसकी इंक्वायरी होनी चाहिए। मैं तो यह कहता हूं राव साहब से अगर उनके पास कोई सबूत है इनको पब्लिक करें। आदमी का नाम बताएं कि उस व्यक्ति ने इस तरीके से इतना फेवर इतना रुपया करप्शन का, इस तरीके से लिया है। जिस एजेंसी से राव इंद्रजीत सिंह कहे वो खुद भी कोई कमेटी बना दे, अपने आदमियों की वो भी इंक्वायरी कर लें। वो करके बता दें कि किस तरह से भ्रष्टाचार हुआ।

खबर संक्षेप

नपा का अतिक्रमण हटाओ अभियान कल

कनीना। नगर पालिका प्रशासन की ओर से सोमवार को पुनः अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी कुमारी ने कहा कि नगर आयुक्त रणबीर सिंह के दिशानिर्देश पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक की मौत

कनीना। भोजावास सुंदरह रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक चालक युवक की मौत हो गई। अनूप सिंह भोजावास ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पुत्र पंकज सायं साढ़े चार बजे किसी काम से बाइक पर सवार होकर सुंदरह जा रहा था। रास्ते में उसकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

चोरों ने घरेलू सामान पर किया हाथ साफ

नारनौल। भूषण खुर्द गांव में बंद मकान से अज्ञात चोरों ने घरेलू सामान चोरी कर लिया। पीड़ित अनिल कुमार ने थाना सदर में शिकायत में बताया कि उनका मकान गांव के बाहर सड़क की ओर स्थित है। बच्चे गुरुग्राम में रहते हैं, जबकि वे स्वयं निमराणा में परचून की दुकान करते हैं और वहीं निवास करते हैं। 13 जनवरी को जब वापस अपने गांव पहुंचे, तो देखा कि साइड गेट का ताला टूटा हुआ था और घर से दो गैस सिलेंडर, एक पीतल की तामड़ी, दो पीतल की टोकणी, एक पीतल की परात व एक पीतल का कचोला गायब मिला।

श्री गोपाल गोशाला में महायज्ञ जारी

महेंद्रगढ़। श्री गोपाल गोशाला बुचियावली में हो रहे गो महायज्ञ अनुष्ठान एवं सवा करोड़ सुरभि मंत्र जाप के दूसरे दिन गो भगवद कथा का भगवदाचार्य विदुषी बेला पारीक द्वारा सुंदर वर्णन किया गया। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव एवं गोशाला के प्रधान नवीन राव द्वारा कथा पंडाल की विशेष व्यवस्था करवाई। भारी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर सम्पन्न

कनीना। राजकीय कन्या महाविद्यालय उन्हानी में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर शनिवार को सम्पन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. विक्रम यादव ने स्वयं सेविकाओं से सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेने का आह्वान किया। इससे पूर्व छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर आमजन को नशे से दूर रहने, साइबर अपराध से बचने के तौर तरीके व रोड सेफ्टी को लेकर जागरूक किया। छात्राओं ने क्षेत्रों में साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया।

सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

नारनौल। शहर में एक माह पहले हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा पिकअप का टायर फटने से हुआ था, जिसके बाद वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया था। मृतका राजस्थान के झुंझुनूं जिले की रहने वाली थी। महिला की मौत के बाद परिजनों ने पिकअप चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाना शहर नारनौल में शिकायत दर्ज करवाई है। जानकारी के अनुसार राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पचेरी थाना क्षेत्र के गांव श्योपुरा निवासी शिकायतकर्ता अंकित ने बताया कि करीब एक माह पहले उसकी परिजन संतोष पिकअप वाहन में सवार होकर यात्रा कर रही थी। नारनौल के पास अचानक पिकअप का टायर फट गया, जिससे वाहन असंतुलित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में संतोष गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घटना के तुरंत बाद घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी रही। परिजनों के अनुसार पिछले एक माह से महिला का लगातार इलाज चल रहा था, लेकिन इलाज के दौरान उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका और आखिरकार उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने पिकअप चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वाहन की स्थिति ठीक नहीं थी और चालक ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। परिजनों की शिकायत पर थाना शहर नारनौल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से मृतका के परिवार में शोक का माहौल है।

नॉन इंटरलाकिंग कार्य के चलते रेल सेवा रहेंगी प्रभावित

महेंद्रगढ़। साढुलपुर-चूरू रेलखंड डबलिंग के अंतर्गत चूरू से दुधवा खेड़ा स्टेशनों के मध्य नान इंटरलाकिंग कार्य हेतु बीते चार जनवरी से आगामी तीन फरवरी किया जाएगा। कार्य के चलते लोहारू-महेंद्रगढ़ से होकर गुजरने वाली रेलगाड़िया प्रभावित रहेंगी। गाड़ी संख्या 14823 जोधपुर रेवाड़ी एक्सप्रेस 18 से 24 जनवरी के मध्य छह ट्रिप के लिए रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 54804 रेवाड़ी सीकर पैसेंजर 18 से 24 जनवरी के मध्य छह ट्रिप के लिए रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14824 रेवाड़ी जोधपुर एक्सप्रेस 19 से 25 जनवरी के मध्य छह ट्रिप के लिए रद्द रहेगी। गाडी संख्या 54803 सीकर रेवाड़ी पैसेंजर 19 से 25 जनवरी के मध्य छह ट्रिप के लिए रद्द रहेगी। वहीं गाडी संख्या 54789/90 रेवाड़ी बीकानेर रेवाड़ी पैसेंजर रेलसेवा गत चार जनवरी से 24 जनवरी तक साढुलपुर से बीकानेर स्टेशनों के मध्य रद्द रहेगी। अर्थात यह रेलसेवा रेवाड़ी से साढुलपुर के मध्य ही संचालित होगी। गाड़ी संख्या 14823 जोधपुर रेवाड़ी एक्सप्रेस चार जनवरी से 17 जनवरी तक 14 ट्रिप के लिए लोहारू से रेवाड़ी स्टेशनों के मध्य रद्द रही। गाडी संख्या 22421 दिल्ली सराय रोहिल्ला जोधपुर एक्सप्रेस 21 जनवर से 24 जनवरी तक 04 ट्रिप के लिए लोहारू, साढुलपुर, रतनगढ़ नहीं आएगी। वाया रींगस, फुलेरा डेगाना के रस्ते संचालित होगी। 22422 जोधपुर दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस 24 जनवरी को लोहारू के रस्ते नहीं आएगी वाया डेगाना, फुलेरा, रिंगस होकर संचालित होगी। गाडी संख्या 12372 बीकानेर हावड़ा सुपरफास्ट रेलसेवा आठ जनवरी से 22 जनवरी तक तीन ट्रिप के लिए लोहारू नहीं आएगी। डेगाना, फुलेरा, जयपुर, रेवाड़ी होकर संचालित होगी। वहीं गाडी संख्या 26471 बीकानेर दिल्ली कैंट वंदे भारत रेलसेवा चार जनवरी से 23 जनवरी तक 17 ट्रिप के लिए बीकानेर से अपने निर्धारित समय से 1:20 मिनट की देरी से प्रस्थान कर रही है।

रेलवे रोड पर पुलिस के साथ मुठभेड़, साथी भी दबोचा

वांछित नामी बदमाश के पैर में लगी गोली, बाल-बाल बचे पुलिसकर्मी

आरोपित शिव दयाल शहर के मोहल्ला मिश्रवाड़ा तो साथी रामकरण अलवर जिले का है रहने वाला, 27 केसों में है वांछित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रेलवे रोड पर विभिन्न मुकदमों में वांछित एक नामी बदमाश ने खुद को पुलिस से घिरा देख उस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस जवाबी कार्रवाई में पहले से मोर्चा संभाल रही पुलिस भी पीछे नहीं हटी और बदमाश पर फायरिंग कर दी। पुलिस की गोली बदमाश के पैर में लगी और वह घायल हो गया। हालांकि बदमाशों की फायरिंग में भी दो पुलिस कर्मी मामूली रूप से घायल हो गए और वह बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के चलते बाल-बाल बच गए। बदमाश पर पहले से विभिन्न संगीन धाराओं के तहत केस दर्ज हैं और अब उस पर पुलिस पर हमला करने का नया केस दर्ज कर लिया गया है और कार्रवाई जारी है।

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों को कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपित शिवदयाल और उसके साथी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपित शिवदयाल को न्यायिक विरासत में भेज दिया है। वहीं दूसरे आरोपित रामकरण को 3 दिन का रिमांड के आदेश दिए। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ दिन पहले सलामपुरा में फायरिंग करने वाला बदमाश शिवदयाल और उसके साथ पुणे वाली ट्रेन से नारनौल आ रहे हैं। इसी सूचना के आधार सीआईए पुलिस रेलवे रोड पर घेराबंदी करके खड़ी हो गई। जब शिवदयाल ट्रेन से उतर कर शहर की तरफ आया, तब उसे पुलिस होने की भनक लग गई। ट्रेन से उतरने के बाद वह शहर की तरफ आ रहा था, तब उसे रेलवे रोड पर पुलिस ने काबू करने का प्रयास किया। खुद को पुलिस से घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान बदमाशों द्वारा चलाई गई एक गोली सीधे सीआईए इंचार्ज को लगी, लेकिन उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी हुई थी, जिससे उनकी जान बच गई। पुलिस की ओर से आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा।

इसके बाद आरोपी भागने लगा तो एक पुलिसकर्मी को उसे पकड़ते हुए भी चोट लग गई। पुलिस ने मुख्य आरोपित शिवदयाल वासी मोहल्ला मिश्रवाड़ा नारनौल एवं उसके साथी करणजीत सिंह वासी रामनगर कॉलोनी नारनौल को गिरफ्तार कर लिया है। करणजीत सिंह राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है और वर्तमान में रामनगर कॉलोनी में रहने लगा है। इस वारदात में पुलिस जवानों ने साहस और तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपितों को मौके पर ही काबू कर लिया। इसमें इंचार्ज इंस्पेक्टर संदीप समेत दो जवानों को मामूली चोटें आई हैं। दोनों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। आरोपित शिवदयाल के खिलाफ दो दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं और आरोपित करणजीत सिंह का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। आरोपित रींगस से नारनौल आए थे, जिन्हें सीआईए की टीम ने मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया। आरोपितों को शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया।

नारनौल। घेराबंदी के लिए मौके पर पहुंची पुलिस। फोटो : हरिभूमि

यह बोले सीआईए इंचार्ज

सीआईए इंचार्ज संदीप ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल नारनौल के मिश्रवाड़ा का रहने वाला है। इस पर 27 मुकदमे दर्ज हैं। शिवदयाल ने कुछ दिन पहले मोहल्ला सलामपुरा में बोलेरो सवार व्यक्ति पर फायरिंग की थी। उन्होंने बताया कि पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क, हथियारों की सप्लाई के संबंध में जानकारी जुटा रही है। उसके खिलाफ शहर थाना नारनौल और सदर थाना में भी मामले दर्ज हैं। इसके अलावा अवैध हथियार और अन्य संगीन धाराओं के तहत 27 मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

पिस्टल बरामद

इंचार्ज के अनुसार आरोपी शिवदयाल के पास एक 32 बोर की पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। उसके साथी अलवर निवासी रणजीत के पास से एक 315 बोर का कट्टा और 4 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

यह बोले पुलिस प्रवक्ता

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार अपराध व अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपितों के पास से दो अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मौके से खाली खोल भी बरामद किए हैं। दोनों घायल आरोपितों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपित शिवदयाल कुछ दिन पहले सलामपुरा मोहल्ले में फायरिंग की वारदात को अंजाम देने का आरोप है और फरार चल रहा था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर उनके आपराधिक मामलों, अवैध हथियारों के स्रोतों व अन्य वारदातों में उनकी संलिप्तता के बारे में जानकारी जुटा रही है। मामले की गहन जांच जारी है।

मंडी अटेली। सिहमा से डेरोली अहीर सड़क मार्ग पर बिजली के खंभे में बोलोरो गाड़ी।

बाल-बाल बची जनहानि

बेकाबू बोलेरो ने तोड़ा बिजली का खंभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

सिहमा से डेरोली अहीर सड़क मार्ग पर रात्रि करीब आठ बजे रफ्तार और लापरवाही का खतरनाक नजारा देखने को मिला जब एक बेकाबू बोलेरो वाहन सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि लोहे का विद्युत पोल बीच से टूटकर बोलेरो के बोनट पर आ गिरा। घटना की आवाज सुनते ही आसपास के घरों से महिलाएं और ग्रामीण बाहर निकल आए। गनीमत यह रही कि उस समय सड़क पर कोई पैदल यात्री मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

ग्रामीणों के अनुसार बोलेरो में सवार एक से दो युवक नशे की हालत में थे और तेज गति से वाहन चला रहे थे। टक्कर के बाद युवक मौके से भागने के बजाय अपने अन्य साथियों को फोन कर बुलाने लगे। कुछ ही देर में बोलेरो और एक कैंपर गाड़ी में सवार करीब आधा दर्जन युवक मौके पर पहुंच गए, जो डेरोली अहीर क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सिहमा क्षेत्र में अक्सर कैंपर और अन्य तेज रफ्तार गाड़ियों से युवक खतरनाक स्टंट करते नजर आते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। तेज स्पीड के कारण वाहन चालकों की पहचान करना भी मुश्किल हो जाता है।

सिहमा उपमंडल कार्यालय के एसडीओ अमित सोनी ने बताया कि उन्हें खंभा क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिल चुकी है। बोलेरो वाहन डेरोली अहीर क्षेत्र का बताया जा रहा है। विभाग की ओर से वाहन चालक की रिपोर्ट तैयार कर नियमानुसार क्षति की भरपाई का चार्ज वसूला जाएगा।

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि नशे में वाहन चलाने और सड़क पर स्टंट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

मौसम | फरवरी महीने में भी हाड़ कंपा देने वाली ठंड दिखाएगी अपने तेवर

कल से बदलेगा मौसम, तापमान में एक बार फिर से उतार-चढ़ाव और तेज गति की चलेगी हवा

19 व 20 जनवरी के दौरान उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में केवल एक दो स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव और तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सम्पूर्ण इलाके में धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। साथ ही साथ हरियाणा कमजोर पश्चिमी मौसम प्रणाली के असर से आंशिक बादल वाही देखने को मिल रही है वहीं एनसीआर दिल्ली में हाड़ कंपा देने वाली ठंड के तेवरों को ढीला कर दिया। आज हरियाणा एनसीआर दिल्ली में कहीं भी शीत लहर की स्थिति देखने को नहीं मिल रही है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में कमजोर पश्चिमी आज रात को सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली से आगे निकल जाएगी और हवाओं की दिशा में बदलाव से बादलवाही में कमी जबकि कुछ स्थानों पर हल्के से सघन कोहरा देखने को मिलेगा। परन्तु 19 जनवरी को एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मौसम में बदलाव और तापमान में एक बार फिर से उतार चढ़ाव और तेज गति की हवाओं के साथ 19-20 जनवरी के दौरान उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में केवल बिखराव वाली एक दो स्थानों पर छिट-पुट बूंदाबांदी की सम्भावना बन रही है। वहीं उसके पीछे-पीछे 22 जनवरी को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 23-25 जनवरी के दौरान हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश और तेज गति की हवाओं के साथ गरज चमक के साथ उत्तरी जिलों में छिट-पुट ओलावृष्टि की गतिविधियों की सम्भावना बन रही है।

फरवरी महीने में भी हाड़ कंपा देने वाली ठंड अपने तेवरों को दिखाएगी। 26 जनवरी को नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने 26-28 जनवरी के दौरान बादलों की आवाजाही के साथ सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव के साथ सम्पूर्ण इलाके में हल्की से मध्यम बारिश बूंदाबांदी और तेज़ गति की हवाओं के साथ छिट-पुट ओलावृष्टि की गतिविधियों की सम्भावना बन रही है।

रात का तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस

जिला महेंद्रगढ़ में पश्चिमी विक्षोभ के असर से आंशिक बादल वाही देखने को मिलीं और दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलीं आज जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल का दिन और रात का तापमान क्रमशः 15.6 डिग्री सेल्सियस और 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। धीरे धीरे सम्पूर्ण इलाके में रात्रि तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

• बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद •

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

खबर संक्षेप

कृष्णनगर कॉलेज में हुआ सरस्वती महोत्सव

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर में प्राचार्या डॉ. सुमन यादव की अध्यक्षता में दो दिवसीय सरस्वती महोत्सव का आयोजन किया। सरस्वती महोत्सव के तहत महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। शनिवार को दोनों प्रतियोगिताओं का मुख्य विषय सरस्वती नदी को लेकर था प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सात टीम बनाई गई। इन सभी टीमों में ई टीम, जिसमें विद्यार्थी बर्फी व भारत प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थान पर कुलदीप व निधि तथा तीसरे स्थान पर चंचल, कुमारी अनूप रही। भाषण स्पर्धा में प्रथम स्थान पर शीतल, दूसरे स्थान पर संगीता व तीसरे सपर मोनिका रही।

सेवानिवृत्त शिक्षक का 90 वर्ष की आयु में निधन

मंडी अटेली। अटेली मंडी के निकटवर्ती राजस्थान के काठूवास निवासी सेवानिवृत शिक्षक मुरारी लाल जोशी का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह सरल स्वभाव व मृदुभाषी थे। शिक्षक रहते हुए भी उन्होंने सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उनके निधन पर शुभचिंतकों ने गहरा शोक जताया है। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके बेटे प्राचार्य मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि उनके पिता समाज के प्रति एक समर्पित व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे।

स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में हुई विचार संगोष्ठी

एबीवीपी छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की विचारधारा: कंवर

स्वामी विवेकानंद के विचार उठो जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको, अभाविप कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महेंद्रगढ़ इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में निजी कोचिंग सेंटर में विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव रहे, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघचालक कैप्टन हंसराज, मुख्य वक्ता अभाविप हरियाणा प्रांत मंत्री राहुल वर्मा, जिला प्रमुख अभाविप महेंद्रगढ़ डॉ. अविनाश यादव, जिला संयोजक कमल रोहिल्ला, जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव एवं राजदीप यादव भी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन महिला कॉलेज इकाई अध्यक्ष निशु ने किया।

मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की विचारधारा है। यह संगठन विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्व का भाव जागृत करता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचार उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको, अभाविप कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद के दौरान स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए सिस्टर्स एंड ब्रदर्स के संबोधन पर मिली तालियां भारत की आध्यात्मिक शक्ति और विश्व में स्वीकार्यता का प्रतीक थी। इस अवसर पर पूर्व जिला संयोजक कर्मपाल यादव, महिला कॉलेज इकाई मंत्री संजू, दिनेश बसई, योगेश आर्य सेहलंग, अमित, नवीन कुमार, अंकित, संदीप, नवीन, प्रिया, अदिति व स्नेहा आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। स्वामी विवेकानंद जयंती मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

अभाविप जिला प्रमुख डॉ. अविनाश यादव ने बताया कि शिक्षा को केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपी शक्तियों को जागृत करने का साधन माना। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

स्वामी विवेकानंद को किया नमन

मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने स्वामी विवेकानंद को नमन करते हुए कहा कि वे केवल महान संत ही नहीं, बल्कि युवाओं के मार्गदर्शक और राष्ट्र चेतना के प्रेरणास्रोत हैं। उनके विचार आज भी युवाओं में आत्मविश्वास, साहस और कर्मठता का संचार करते हैं। विधायक ने कहा कि जब युवा विवेकानंद के विचारों को अपनाते हैं। तभी सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघचालक कैप्टन हंसराज ने कहा कि अभाविप युवाओं में नेतृत्व, सेवा भाव और राष्ट्रभक्ति का संचार करती है। आज के युवाओं के पास ऊर्जा और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छाशक्ति की है। जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने कहा कि आज का युवा प्रतिभाशाली है, लेकिन उसे लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। शिक्षा के साथ-साथ खेल, कौशल विकास और सामाजिक सेवा से जुड़ाव युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

महेंद्रगढ़। शोकसभा में मौन रखते हुए। फोटो: हरिभूमि

ब्राह्मण सभा के पूर्व प्रधान के बेटे की शोक सभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मोदाश्रम मदिर प्रांगण में ब्राह्मण सभा के पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ अधिवक्ता यविष्ट दीवान के पुत्र प्रखर दीवान के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत प्रखर दीवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदाश्रम मंदिर के प्रधान सुधीर दीवान ने कहा कि यविष्ट दीवान ने महेंद्रगढ़ ब्राह्मण समाज के प्रधान रहते हुए अनेक कार्य किए। वे परिवार सहित यमुनानगर रहने लगे, लेकिन उनका लगाव महेंद्रगढ़ से कभी कम नहीं हुआ। उन्हीं की तर्ज पर उनका 33 वर्षीय बेटा प्रखर भी चल रहा था। वह भी समय-समय पर महेंद्रगढ़ आता रहता था और क्षेत्र के सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग लेता रहता था। गत 12 जनवरी को प्रखर दीवान का आकस्मिक निधन हो गया। वह अपने माता-पिता का एकलौता पुत्र था। उन्होंने कहा कि प्रखर का निधन क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उसकी कमी हमेशा खलेगी। इस अवसर पर सुशील बिढ़ाट, रामलीला परिषद के पीर्व प्रधान चेतनप्रकाश गौड़, भाजपा के पूर्व जिला महामन्त्री अमित मिश्रा, व्यापार मंडल के प्रधान सुरेंद्र बंटी, व्यापारी नेता नरेश चेयरमैन, धौलपोश गोशाला के प्रधान रविंद्र तिवाड़ी, रोटरी क्लब के प्रधान मुकेश मेहता शोक जताया।

इन्होंने दी श्रद्धांजलि

इस मौके पर नरेश जोशी, सूर्यप्रकाश कौशिक, भोलाराम सैनी, नगरपालिका के पूर्व प्रधान रमेश बोहरा, विष्णु सोनी, तुलसीराम शर्मा, सुरेश वर्मा, श्यामलाल खेड़ीवाला, अतुल दीवान, दिनेशदत्त, रविंद्र भंडोर, मयंक लावणिया, राजकुमार सैनी, कृष्ण शर्मा भिंडी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर प्रखर दीवान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मालड़ा में लगा बाबा हांडु का प्रथम मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव मालड़ा में राधाकृष्ण और बाबा हांडु का प्रथम मेला बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से आयोजित हुआ। श्रद्धालुओं ने सुबह से ही बाबा की समाधि स्थल पर पहुंचकर पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया तथा मन्नतें मांगी। मेले में 108 कुण्डीय हवन यज्ञ, खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ–साथ भजन कंपीटिशन और भंडारे का भी आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी सदस्यों ने बताया कि इस मेले में गांव मालड़ा व आसपास क्षेत्र के सैंकड़ों श्रद्धालुओं एवं गणमान्य लोगों ने पहुंचकर आयोजन में चार चांद लगाए।

बाबा के प्रति ग्रामीणों, सभी भक्तों, राजनीतिक, धार्मिक व सामाजिक संगठनों के लोगों ने बढ़–चढ़कर भागीदारी निभाई और यथा संभव सहयोग किया। कार्यक्रम में दीपक चिड़िया व उसकी पार्टी ने मधुर आवाज और संगीत से बाबा की महिमा का गुणगान किया तथा धार्मिक प्रस्तुति पेश की, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। मंदिर कमेटी ने सभी अतिथियों, दानदाताओं और वालेंटियर का मंच पर धन्यवाद किया तथा स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया।

संचालन सुजान मालड़ा व तेजपाल प्रजापति मालड़ा ने संयुक्त रूप से किया। पारितोषिक वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व जिला प्रमुख सुरेंद्र कौशिक रहे।

महेंद्रगढ़। विजेता पहलवान को सम्मानित करते हुए मेला कमेटी। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस का सचिन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय महेंद्रगढ़ के विद्यार्थी सचिन कुमार ने 12वीं कक्षा की पढ़ाई के दौरान ही भारतीय सेना की प्रतिष्ठित लिखित परीक्षा और उसके बाद कड़े एसएसबी इंटरव्यू को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने का गौरव हासिल किया है। गांव गोपालवास निवासी सचिन कुमार के पिता दिलबाग सिंह एवं माता सुशीला देवी हैं। विद्यार्थी की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप में खुशी की लहर है। आरपीएस ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने सचिन, उसके परिवार व शिक्षकों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया। सचिन की सफलता उसकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। यह पूरे क्षेत्र और विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि प्रतिभा और सही मार्गदर्शन का संगम ही ऐसी बड़ी उपलब्धियां सुनिश्चित करता है। सचिन ने विद्यालय के मान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

तीसरे दिन महाराजा अग्रसेन के जीवन प्रसंगों का विस्तार से किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अग्रवाल सभा भवन में आयोजित श्री अग्रभागवत कथा के तीसरे दिन शनिवार को कथा व्यास श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर नर्मदा शंकरपुरी महाराज ने श्रद्धालुओं को अग्रसेन महाराज के जीवन प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने अग्रसेन के 18 पुत्रों एवं 18 गोत्रों की उत्पत्ति की कथा सुनाते हुए बताया कि अग्रसेन की एक पुत्री ईश्वरी भी थी, जिनका विवाह काशी राज के पुत्र महेश के साथ हुआ। महेश ने आगे चलकर मोक्ष मार्ग अपनाया और धर्म के मार्ग पर अग्रसर हुए। मुख्य यजमान के रूप में पहुंचे अमरपुर जोरासी धाम के स्वामी पुजारी कमलकांत भारद्वाज को पटका एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। कथा व्यास ने बताया कि अग्रसेन ने 18 यज्ञों का संकल्प लेकर 18 ऋषियों को आमंत्रित किया और अपने पुत्रों को 18 गोत्रों में विभाजित कर अलग-अलग राज्यों का दायित्व सौंपा। उन्होंने क्षत्रिय वंश का त्याग कर वैश्य वर्ण को अपनाया और अपनी प्रजा तथा पुत्रों को व्यापार व कृषि के माध्यम से समाज की उन्नति करने का संदेश दिया। महामंडलेश्वर नर्मदा शंकर पुरी महाराज ने बताया कि अग्रसेन ने माता लक्ष्मी को शक्ति रूप में प्रकट कर इंद्र का मान मर्दन किया, जिससे धर्म और न्याय की स्थापना हुई। साथ ही अग्र भागवत में सुदामा शाकुंतल ब्राह्मण के कष्टों का निवारण कर न्याय की परंपरा का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि अग्रसेन महाराज का संपूर्ण जीवन 108 वर्षों का रहा।

नारनौल। महामंडलेश्वर नर्मरा शंकरपुरी।

खुडाना में विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। बालाजी स्पोर्ट्स क्लब खुडाना में एक सम्मान एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटी क्लब की होनहार खिलाड़ी सिमता व सलोनी का स्वागत किया गया। अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता एमडीयू रोहतक के विभिन्न कॉलेजों में 12 से 16 जनवरी तक खेली गई। क्लब की दोनों खिलाड़ी इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की टीम में बतोर बल्लेबाज शामिल की गई थी। क्लब की वर्तमान प्रभारी एवं जूनियर कोच इशिका ने बताया कि हमारा क्लब गत 15 वर्षों से निःशुल्क खेल सेवाएं दे रहा है। क्लब की अनेक लड़कियां स्कूली फैडरेशन के राष्ट्रीय खेलों में भाग लेकर पदक जीत चुकी है तथा अनेक खिलाड़ियों ने हर वर्ष विश्वविद्यालय की टीम में स्थान बनाती रहती है। इशिका जो की स्वयं भी राष्ट्रीय खेलों की गोल्ड मेडलिस्ट है, ने बताया कि कलब में प्रशिक्षित क्रिकेट खिलाड़ी उत्कर्ष हरियाणा व पंजाब राज्य की सीनियर महिलाएं रणजी टीम में भी जगह बना चुकी है। वर्तमान में लड़कियों को प्रशिक्षित कर रही इशिका ने आगे बताया कि क्लब में प्रशिक्षित अंडर 17 की लड़कियां भी जिले की तरफ से खेलते हुए इस बार राज्यभर में चौथे स्थान पर रही। उन्होंने बताया कि हम अपने सीनियर कोच अशोक माधव के मार्गदर्शन में लगातार अच्छा करने का प्रयास कर रहे हैं। बिना शुल्क के लड़कियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

राव सुल्तान सिंह स्कूल निम्बेहड़ा ने ओलंपियाड में बनाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राव सुल्तान सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बेहड़ा के विद्यार्थियों ने ओलंपियाड में अपना पहला स्थान बनाया। संस्था प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने बताया कि सिल्वर जोन फाउंडेशन द्वारा नवंबर मास में आयोजित ओलंपियाड का परिणाम 16 फरवरी को घोषित किया जाएगा, जिसमें विद्यालय के 50 बच्चों ने पहले स्तर की परीक्षा पास की। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा का प्रश्न पत्र का स्तर उच्च स्तर का था, लेकिन बच्चों ने अपनी मेहनत और लग्न के बल पर इसमें कामयाबी हासिल की। इस अवसर पर संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने सभी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी और उन सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर चेयरपर्सन सुषमा यादव, उपप्राचार्य रामकुमार, किड्स हेड स्नेहलता, कर्णसिंह निम्बल व धंसीराम व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महेंद्रगढ़। ओलंपियाड विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

टीचर्स ट्रेनिंग कार्यशाला आयोजित

नारनौल। सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकूला के तत्वावधान में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में एक दिवसीय इन हाउस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य वेदपाल व उप प्राचार्य संदीप खैरवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राईमरी हैड उमा यादव ने की। सीबीएसई रिसोर्स ट्रैनर विकाश चौधरी ने शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों, शिक्षा के महत्व, छात्रों के कौशल विकास के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूल के पीआरटी, टीजीटी, पीजीटी व नॉन टीचिंग स्टाफ मौजूद रहा। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों व शिक्षा के महत्व से अवगत कराना था। उप प्राचार्य संदीप खैरवाल ने प्रशिक्षण के लाभों से अवगत करवाते हुए बताया कि प्रशिक्षण से शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों का ज्ञान प्राप्त होगा। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से स्कूल के शिक्षकों को अपने कौशल में सुधार करने व नवीनतम शिक्षण तकनीकों को अपनाने का अवसर मिला।

धनौन्दा में 17वीं शहीद महेशपाल फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

टाई ब्रेकर में धनौन्दा ने उन्हाणी की टीम को हराकर मुकाबला अपने नाम किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

धनौन्दा गांव में 17वीं शहीद महेशपाल फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि नेताजी अतरलाल एडवोकेट, सरपंच प्रतिनिधि बीरसिंह थानेदार व शहीद के भाई जीतपाल सिंह ने किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व गांव के गणमान्य लोगों ने शहीद महेशपाल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद मुख्य अतिथि व अन्य अतिथिगण ने ध्वज फहराकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच अंडर 14 धनौन्दा व उन्हाणी की टीमों के बीच खेला गया। नेताजी अतरलाल ने फुटबॉल को किक मारकर मैच की शुरुआत की। रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमें बराबरी पर रही। टाई ब्रेकर में धनौन्दा की टीम ने उन्हाणी की टीम को हराकर मुकाबला अपने नाम किया। खेल कमेटी ने अतिथिगण का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। ब्रिलिएन्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल धनौन्दा की छात्राएं भारती, मीनाक्षी व राखी ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान प्रस्तुत किया। मंच संचालन मास्टर प्रहलाद सिंह ने किया। मुख्य अतिथि नेताजी अतरलाल ने कहा कि खेल को खेल भावना से खेलना खिलाड़ी का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। खेल में हार जीत होती रहती है। एक अच्छा खिलाड़ी अपनी टीम की जीत के लिए अपना सौ प्रतिशत योगदान देता है। अतरलाल ने कहा कि शहीद महेशपाल की याद में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए खेल कमेटी, ग्राम पंचायत व सभी ग्रामवासी धन्यवाद के पात्र हैं।

नारनौल। खिलाड़ियों के साथ नेताजी अतरलाल व अन्य अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजेन्द्र सिंह नम्बरदार, पूर्व सरपंच रूपेन्द्र सिंह, पवन सिंह प्रधान, कोच सतीश जोशी, अशोक सिंह पंच, सुशील पंच, पृथ्वी सिंह पंच, हवासिंह फौजी, कोच सुधीर, मनोज, किशनपाल, कोच दर्शन कौशिक, राजेश चैधरी, परम राघव आदि उपस्थित थे।

रामकरण दास कॉलोनी में माता की चौकी आयोजित

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शुक्रवार रात को देवेंद्र सैनी के निवास स्थान पर मोहल्ला रामकरण दास कॉलोनी में माता की चौकी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव, कार्यक्रम संयोजक नवीन वशिष्ठ, श्रीचंद सैनी, सुनील शर्मा, प्रवीण यादव ने संयुक्त रूप से की। जिसमें मुख्य यजमान देवेंद्र सैनी सपत्नीक रहे। कार्यक्रम संयोजक नवीन वशिष्ठ, प्रवीण यादव, कुलदीप सैनी, सुनील शर्मा, श्रीचंद सैनी ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन करवाया। गणेश वंदना गायकार धारू व माता का आह्वान गायकर नवीन वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर परमानंद वर्मा ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, विकास जांगिड़ ने किस से करूं मैं मां की तुलना मां से बड़ा ना कोई, भवानी सैनी ने तू कितनी अच्छी है तू कितनी प्यारी प्यारी है, नारायण शास्त्री ने सज धज के बैठी मां मंद मंद मुस्काये आदि भजनों से माता का आह्वान किया। इस मौके जयप्रकाश अग्रवाल, परमानंद वर्मा, सुनील शर्मा, विश्वास राव एडवोकेट, उप प्रधान सुरेंद्र यादव, उप प्रधान राजेश सैनी, उप प्रधान राजेश सैनी, ललित सैनी, सुनील शर्मा, नीरज चौधरी, कुनाल यादव, राहुल सोनी, प्रवीन आदि मौजूद थे।

श्री अनाथ गोशाला में गोवंश के लिए लगाई सवामणी

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में कुमारी तमन्ना पुत्री भीमसेन शर्मा के जन्मदिन के पावन अवसर पर शनिवार को श्री अनाथ गोशाला में सवामणी का आयोजन किया गया। गोसेवा मण्डल के प्रवक्ता मुकेश वालिया ने बताया कि सवामणी में गायों को हरी सब्जियां खिलाई। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि जन्मदिवस जैसे व्यक्तिगत अवसरों को समाज व प्रकृति की सेवा से जोड़ना आज की आवश्यकता है। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट शिक्षा के साथ सेवा व संस्कार के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा ने कहा कि बच्चों को प्रारंभ से ही सेवा और संवेदना का संस्कार देना अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य दिनेश कुमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक तैयार करना है। इस मौके पर सुनीता शर्मा, अरुण कुमार, तमन्ना शर्मा, दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

सूचना

मैं, मोनिका पत्नी उदयभान पुत्र श्री प्रहलाद सिंह निवासी देवास तहसील व जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा से बयान करता हूं कि मेरा लड़का जितेश व पुत्रवधू अन्नु दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर हैं इसलिए मैं उन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं अगर भविष्य में कोई उनसे कोई लेनदेन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सर्वे में सामने आए बच्चों को नजदीकी स्कूल के स्पेशल ट्रेनिंग स्कूल में दाखिला देकर करवाया जाएगा ब्रिज कोर्स

ड्रॉप आउट बच्चों में जिले से 431 मिले, संडे तक चलेगा सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों ड्रॉप आउट एवं आउट ऑफ बच्चों के लिए किए जा रहे सर्वे में अब तक 431 बच्चे सामने आए हैं, जो 6 से 14 और 16 से 19 साल तक के होने के बावजूद स्कूल नहीं पहुंच रहे। हालांकि सरकार द्वारा शरदकालीन छुट्टियां बढ़ाने के कारण इस सर्वे का पीरियड भी बढ़ा दिया है और यह अब इस संडे तक चलेगा। इसके बाद पुनः जिला स्तर पर रिपोर्ट साझा कर तैयार की जाएगी। ड्रॉप आउट बच्चों में ज्यादातर अप्रवासी मजदूरों के बच्चे शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के दिशा–निर्देशानुसार हर साल शिक्षा विभाग द्वारा ड्राप आउट एवं आउट ऑफ बच्चों का सर्वे कराया जाता है। इस सर्वे के पीछे समग्र शिक्षा का उद्देश्य वंचित ड्रापआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना होता है। इस सर्वे में शिक्षा स्वयंसेवकों व शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है। अक्सर ईंट-भट्ठों, प्रवासी मजदूरों व अनाथ रहने वाले बच्चों की पहचान होती रही है। इस बार भी ऐसा ही सामने आया है। विभिन्न राज्यों से जिले में आए अधिकांश प्रवासी मजदूर अपने बच्चों को स्कूलों में नहीं भेजते हैं।

नारनौल। झुग्गी झोंपड़ियों में जाकर सर्वे करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिस कारण ये बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, क्योंकि प्रवासी मजदूरों का स्थायी स्थान नहीं होने के कारण कार्य के लिए कभी यहां कभी दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है। इसलिए वे अपने बच्चों को अपने साथ रखते हैं। ऐसे बच्चे वर्ष 2023-24 में 384 थे, जबकि वर्ष 2024-25 में 240 तथा वर्ष 2025-26 में 594 बच्चों की सर्वे के दौरान पहचान की गई। वहीं वर्तमान शिक्षा सत्र 2026-27 में करवाए जा रहे सर्वे में अब तक 431 ऐसे बच्चे चिह्नित किए गए हैं, जो किसी न किसी कारण पढ़ाई बीच में छोड़ चुके हैं या फिर किसी ने पढ़ाई ही शुरू नहीं है।

यह बोले डीपीसी

जो बच्चे सर्वे में पाए गए हैं, उन्हें एसटीसी में एडमिशन दिलाया जाएगा, ताकि उन्हें मुख्य धारा से जोड़ा जा सके और स्कूल में एडमिशन कराया जा सके। सरकार का उद्देश्य सभी बच्चों को शिक्षा करना है, ताकि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।
–अशोक शर्मा, डीपीसी, नारनौल।

162 बच्चों को कराया जा रहा कोर्स

सर्वे में संज्ञान में आया है कि ड्रॉपआउट बच्चों में अधिकांश संख्या ईंट-भट्ठों पर काम करने वाले मजदूरों, प्रवासी श्रमिकों, अनाथ व बेघर वाले के बच्चे होते हैं। इनके अभिभावक अक्सर रोजगार की तलाश में जगह बदलते रहते हैं और जगह बदलने के कारण बच्चों की बार–बार पढ़ाई छूट जाती है। इसी कारण सर्वे में चिह्नित बच्चों में से लगभग आधे बच्चे ही शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ पाते हैं। वर्ष 2025-26 के सर्वे में सामने आए 590 ड्रॉपआउट बच्चों में से केवल 162 बच्चों को ही विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में ब्रिज कोर्स के तहत शिक्षा दी जा रही है। इन बच्चों का कोर्स पूरा होने के बाद चालू शैक्षणिक सत्र में नजदीकी सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया जाएगा।

यह कहते हैं एसीपी

एसीपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि हर साल यह सर्वे किया जाता है और सरकार का मुख्य उद्देश्य स्कूल छोड़ चुके बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना है। सर्वे में जिन बच्चों की पहचान की जाती है, उनमें से जहां 15 या इससे अधिक बच्चे एक स्थान पर मिलते हैं, वहां एक स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर खोला जाता है, जो स्कूल के साथ ही चलता है। इस एसटीसी में ब्रिज कोर्स कराया जाता है। यह कोर्स लगभग छह महीने का होता है। यह कोर्स पूरा होने पर बच्चों को स्कूल में एडमिशन दिला दिया जाता है। या यह कोर्स पूरा होने से पहले जो बच्चे मुख्य धारा से जुड़ जाते हैं, उन्हें पहले ही स्कूल में एडमिशन दिला दिया जाता है। यह ब्रिज कोर्स छह महीने का होता है।

लॉजिस्टिक हब की जमीन के मुआवजे पर किसानों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप

भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत नहीं दिया मुआवजा, सहमति मॉडल पर उठे सवाल

पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश से या उच्च स्तर की सीबीआई जांच करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। पत्रकार वार्ता करते सामाजिक कार्यकर्ता तेजपाल इंजीनियर।

नांगल चौधरी विधानसभा से चुनाव लड़ चुके तेजपाल इंजीनियर ने लॉजिस्टक हब की जमीन मुआवजा राशि पर सवाल उठाए है। उनका आरोप है कि जमीन अधिग्रहण को लेकर किसानों के साथ बड़ा खिलवाड़ हुआ है। केंद्र सरकार ने 2013 में भूमि अधिग्रहण कानून लागू कर दिया था। इसके बावजूद यहां पर लॉजिस्टिक हब के लिए अधिग्रहण की गई जमीन का मुआवजा किसानों को सहमति मॉडल के अनुसार दे दिया गया। जिसके हिसाब से किसानों को महज 30 लाख रुपये प्रति एकड़ मिले। अगर केंद्र सरकार के 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के हिसाब से राशि मिलती तो वह 66 से 80 लाख रुपये प्रति एकड़ होती। इस पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश से या उच्च स्तर की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। उनके साथ अजय राव, पूर्व डेलीगेट वेद प्रकाश कमानिया, धोलेड़ा के पूर्व सरपंच जगमाल यादव, कारोता के पूर्व सरपंच मनजीत चौधरी, लालाराम सूबेदार, हवलदार लालाराम, रमेश चंद, रोहताश, डॉक्टर गोपीचंद, विजय सिंह, राजू, नरेंद्र आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे!

वे शनिवार को निजी होटल में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बसीरपुर के किसानों की भूमि 30 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से प्रत्यक्ष खरीद/रजिस्ट्री के माध्यम से ली गई, यह प्रक्रिया उस समय अपनाई गई जब भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013पूर्ण रूप से लागू था। फिर किसानों से एक कागज पर दबाव डालकर हस्ताक्षर करवा कर जमीन खरीदने की रजिस्ट्री करवाने की प्रक्रिया क्यों अपनानी पड़ी? उन्होंने कहा कि 30 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर किसानों द्वारा तय नहीं की गई थी बल्कि उपायुक्त की अध्यक्षता वाली कमेटी द्वारा पहले से प्रस्तावित की गई थी। किसानों को केवल इस प्रस्तावित दर पर सहमति जताने के लिए बुलाया गया। इसे स्वतंत्र मोलभाव या निष्पक्ष सहमति नहीं कहा जा सकता। किसानों की जमीनों की रेट तय करने की प्रक्रिया में बनी समिति के छह सदस्य थे, जिसमें नांगल चौधरी के भाजपा विधायक डॉक्टर अभय सिंह यादव व सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह भी थे। सरकारी रिकॉर्ड में यह दर्ज है कि कई किसानों ने जमीनों के रेट के संबंध में आपत्तियां दर्ज की थी। इसके बावजूद न तो उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई दी गई और ना ही उनकी आपत्तियों को खारिज करने का कोई लिखित कारणयुक्त आदेश पारित किया गया। यदि वास्तव में सहमति थी तो आपत्तियों को दबाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

किसानों को समिति से बाहर रखा

उन्होंने कहा कि जमीनों की रेट तय करने की समिति में जिला उपायुक्त, विधायक, सांसद एवं एचएसआईआईडीसी के अधिकारी शामिल थे, परंतु एक भी किसान या किसान प्रतिनिधि को सदस्य नहीं बनाया गया जिस भूमि का सौदा था उसके वास्तविक मालिकों को ही निर्णय प्रक्रिया से बाहर रखना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। लॉजिस्टिक हब के लिए प्रस्तावित लगभग 900 एकड़ जमीन के सौदे को लेकर प्रति एकड़ न्यूनतम 36 लाख से लेकर 50 लाख के हिसाब से करोड़ों का फायदा कंपनी एचएसआईआईडीसी को करवाया गया। उन्होंने कहा कि 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में गुणक 1.5 से 2 गुना, फिर 100 प्रतिशत सोलेटीयम, 12 प्रतिशत अतिरिक्त राशि तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन लाभ अनिवार्य है। इसके बावजूद किसानों को इन अधिकारों व भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के बारे में स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ अभय सिंह यादव ने बिचौलिए की भूमिका निभाकर जो एचएसआईआईडीसी को करोड़ों रुपये का फायदा करवाया, इसमें उन्होंने कितने करोड़ रुपये का गबन किया, यह वाकई सवालों के घेरे में है।

लॉजिस्टिक हब के बिल्कुल पास पूर्व विधायक की जमीन

इंजी तेजपाल यादव नें कहा कि डॉक्टर अभय सिंह यादव बार-बार यह कहते नहीं थकते थे कि अगर लॉजिस्टिक हब के पास उनकी एक इंच भी जमीन मिल गई तो वह राजनीति छोड़ देंगे, उन्हें हम बताना चाहते हैं कि सरकारी रिकार्ड व जमाबंदी से स्पष्ट है कि डॉक्टर अभय सिंह यादव की लॉजिस्टिक हब के बिल्कुल पास में बशीरपुर गाँव की सीमा से लगभग 700 मीटर दूर अमरपुरा जौरासी गांव में 74 करनाल 10 मरला यानी कि लगभग सवा नौ एकड़ जमीन खरीदी गई है। जो निजी जमीन बसीरपुर के सीमा के पास अमरपुरा जोरासी गांव में खरीदी गई है, आने वाले समय में वह जमीन अरबों रुपये की होगी।

क्या कहते है डा. अभय सिंह यादव

नांगल चौधरी के पूर्व विधायक डा. अभय सिंह यादव ने इस मामले में पक्ष रखते हुए कहा कि लॉजिस्टक हब के लिए जमीन मुआवजा की जो प्रक्रिया अपनाई गई, वहीं प्रक्रिया रेवाड़ी में बन रहे एम्स की जमीन को लेकर अपनाई गई है। अन्य सभी आरोप निराधार है।

पैसा खाते में गया, चोरी नहीं

उन्होंने कहा कि अक्सर यह कहा जाता है कि पैसा किसानों के खातों में गया इसलिए कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ, जबकि वास्तविकता यह है कि भ्रष्टाचार पैसों के लेनदेन में नहीं बल्कि जमीनों की रेट तय करने और कानूनी अधिकारों को दबाने की प्रक्रिया में हुआ। रेट को जानबूझकर कम रखना व 2013 के भूमि अधिग्रहण के अनुसार भूमि को अधिग्रहण न करना और इसके बीच में मोटा मुनाफा कंपनी और जनप्रतिनिधि के माध्यम से कमाना ही असली घालमेल है।

खबर संक्षेप

जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र भेंट किए

नारनौल। समाजसेवी अधिवक्ता नरेंद्र यादव गुवानी ने प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को आदर्श हाई स्कूल में जरूरतमंद बच्चों को उपहार स्वरूप वस्त्र वितरित किए। ट्रस्टी नरोत्तम सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट नरेंद्र यादव गुवानी थे। अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्राचार्य दिनेश कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता कृष्ण शर्मा एडवोकेट, कनिष्ठ अभियंता पवन कुमार, समाजसेवी विष्णु गर्ग थे। मुख्य अतिथि नरेंद्र यादव एडवोकेट ने कहा कि समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब हम अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाएं। बच्चों को वस्त्र प्रदान करना केवल एक सहायता नहीं, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान व आत्मविश्वास देने का प्रयास है।

अधिकारी ने एग्रीटेक शिविर में किया औचक निरीक्षण

मंडी अटेली। उपमंडल कृषि अधिकारी डा. मनमीत यादव ने कृषि खंड अटेली के बजाड़, दुबलाना, खामपुरा में औचक निरीक्षण किया और गांवों में चल रही ग्रामसभाओं में एग्रीटेक किसान आईडी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर कृषि अधिकारी डा. मनमीत यादव ने बताया कि प्रशासन की ओर से गांव–गांव जाकर विशेष कैंपों के माध्यम से किसानों की एग्री स्टैक पोर्टल पर आईडी बनाई जा रही है। वहीं एग्रीस्टैक योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों का प्रमाणिक डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध तरीके से किसानों तक पहुंचाया जा सके। इस मौके पर सरपंच एवं पंचों के साथ ग्रामीण भी मौजूद थे।

मंडी अटेली। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में जागरुक करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

मंडी अटेली। अटेली में क्षेत्रीय परिवहन विभाग के इंस्पेक्टर एवं जिला ट्रैफिक विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व जिला ट्रैफिक प्रभारी नरेश कुमार एवं क्षेत्रीय परिवहन निरीक्षक बृजभूषण ने किया। इस मौके पर राहगीरों एवं सड़क से गुजरने वाले विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के पंपलेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के बारे में समझाया गया। इस मौके पर जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार एवं परिवहन निरीक्षक बृजभूषण ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का वाहन चालकों को पालन करना चाहिए, जिससे कभी भी दुर्घटना नहीं होगी। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करें। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही सीट बेल्ट का उपयोग, यातायात संकेतों, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने का महत्व समझाया। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर अंजू, आशीष के अलावा अन्य मौजूद रहे।

सिसोट में ग्राम सभा की बैठक आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव सिसोट के पंचायत घर में ग्रामसभा की एक महत्वपूर्ण बैठक सरपंच वीरेन्द्र कुमार (विक्की) की अध्यक्षता में आयोजन हुआ। इस बैठक ग्राम सचिव राकेश कुमार, ग्राम सचिव विकास, ग्राम सचिव प्रवीण, नरेंद्र क्लर्क मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उदेश्य ग्राम के विकास कार्य करवाने के लिए ग्रामीणों के सुझाव से सहमति लेना रहा। बैठक में उपस्थित ग्राम सचिव राकेश कुमार एवं सरपंच वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि गांव में 500 गज से कम के पंचायती जगह (बचत) पर बने निर्माण को हरियाणा सरकार के आदेशानुसार मालिकाना हक देने के लिए जिन–जिन मकान धारकों ने अपने दस्तावेज तैयार करवा लिए, उनकी संख्या 97 है। उनके सबके नाम बोलकर उनके बारे में गांव के किसी अन्य सदस्य को कोई आपत्ति है तो बता सकता है। इसके साथ-साथ सरपंच ने ग्राम पंचायत द्वारा करवाए गए कार्यों को बताया, जिनमें गांव में बस अड्डे और श्मशान घाट पर पानी की टंकी का निर्माण करवाया, गांव की फिरनियों पर 50 तिरंगा लाइटें लगवाई, गांव व ढाणियों की कच्ची गलियों व नालियों को पक्का करवाया, गांव से ढाणी टेकचंद तक सड़क निर्माण करवाया। इसके बाद ग्रामीणों से गांव में पिछड़ा वर्ग के लिए चौपाल का नवनिर्माण करवाने, सीसीटीवी लगवाने, पार्क व ई-लाइब्रेरी बनवाने के लिए सहमति ली और जल्द ही इन योजनाओं को धरातल पर उतारने का विश्वास दिलाया।

जिम्मेदारी का ईमानदारी से करें पालनः प्रभा

महेंद्रगढ़। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशा–निर्देश अनुसार व एसडीएम कनिका गोयल मार्गदर्शन में 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों में कमी लाना है, जिसे जागरूकता, इंजीनियरिंग सुधार तथा सुदृढ़ आपातकालीन प्रतिक्रिया के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। प्रोफेसर डॉ. पूर्णप्रभा ने लोडिंग वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए और परिवहन संचालक एवं नागरिक समाज संगठन ड्राइवरों, पैदल यात्रियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया, ताकि सड़क सुरक्षा को लेकर समाज के हर वर्ग में जागरूकता लाई जा सके। पुलिस विभाग द्वारा तेज गति, नशे में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीटबेल्ट का उपयोग न करने जैसी असुरक्षित ड्राइविंग के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया भी चलाया जा रहा है।

कोहरे में रेल संचालन को सुरक्षित बनाने पर मंथन

मंडी अटेली। शीत ऋतु के दौरान बढ़ते कोहरे को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को न्यू अटेली रेलवे स्टेशन (डीएफसीसीआईएल) परिसर में रेल सुरक्षा को लेकर विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य कोहरे के समय संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रेन संचालन को और अधिक सुरक्षित बनाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर खंड के मुख्य महाप्रबंधक आरएस चौधरी ने द्वारा की गई। सेमिनार में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े सुरक्षा मानकों पर प्रकाश डाला। अधिकारियों ने बताया कि कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सिग्नल देखने, ब्रेक लगाने और ट्रेन की गति नियंत्रित रखने में अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता होती है। इस दौरान लोको पायलटों व रनिंग स्टाफ को फॉग सेफ्टी डिवाइस के सही उपयोग, निर्धारित गति सीमा के पालन तथा निरंतर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को भी गंभीरता से सुना गया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सुरक्षा से जुड़े सभी मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इसके उपरांत स्टेशन परिसर एवं रनिंग रूम का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारों की पहचान की गई और उन्हें शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए गए। सेमिनार में डीएफसीसीआईएल के अधिकारी, कर्मचारी, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन प्रबंधकों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम सफल रहा।

मंडी अटेली। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की गति नियंत्रित करने की जानकारी देते हुए।

कॉलेज प्रशासन के रास्ता बंद कराने पर मोहल्लावासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला खटीकान में शनिवार को मोहल्लावासियों ने बैठक कर प्रशासन एवं नगरपालिका से रास्ता दिलाने की मांग की। बलवान फौजी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मोहल्लावासियों ने अपनी समस्याएं रखी। मोहल्लावासियों ने कहा कि कॉलेज प्रशासन की ओर से मोल्लावासियों के लिए वर्ष 1914 में बने इस रास्ते को बंद कर दिया है। अब मोहल्लावासियों के लिए समस्याएं खड़ी हो गई है। मोहल्लावासियों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। इस कॉलेज का निर्माण वर्ष 2013 में हुआ था, जबकि यह मोहल्लावासी वर्षों से इसी रास्ते का उपयोग आवागमन के लिए कर रहे हैं। मोहल्लावासियों ने बताया कि गत दिनों सचिन कुमार की पत्नी पूजा को बेटी हुई थी। बार-बार चिकित्सीय जांच के लिए एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल जाना पड़ता है, लेकिन अब वहां एंबुलेंस जाने तक का रास्ता नहीं है। ऐसे में मोहल्लावासियों के सामने परेशानी खड़ी हो गई। रास्ता बंद करने से पूर्व कॉलेज प्रशासन की ओर से मोहल्लावासियों को नोटिस तक नहीं दिया गया।

महेंद्रगढ़। रास्ते को लेकर नाराजगी जताते मोहल्लावासी।

मोहल्लावासियों से बातचीत कर बलवान फौजी ने विधायक कंवर सिंह यादव को फोन के माध्यम से मोहल्लावासियों की समस्या से अवगत कराया। विधायक ने मोहल्लावासियों को आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान कराया जाएगा। मोहल्लावासियों के लिए रास्ते की वैकल्पिक व्यवस्था कराई जाएगी।

आयोजन

मंदिर भवन को भव्य रूप देने की आवश्यकता की जा रही थी महसूस

सैनीपुरा के प्राचीन हनुमान मंदिर के पुनर्निर्माण की रखी नींव

- भव्य धार्मिक समारोह के दौरान मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए आधारशिला रखी
- आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार का केंद्र बनेगा मंदिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला सैनीपुरा स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन हनुमान मंदिर के नवनिर्माण की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मंदिर परिसर में आयोजित एक भव्य धार्मिक समारोह के दौरान मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक कंवर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विधि-विधान के साथ नींव की ईंट रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर के संस्थापक सदस्य सीयाराम सैनी द्वारा की गई। मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक स्थल समाज में एकता और शांति का संदेश देते हैं। उन्होंने मंदिर कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का एक उत्तम प्रयास है। यह मंदिर न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार का केंद्र भी बनेगा। मंदिर कमेटी के प्रधान विजय सैनी ने मंदिर के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस मंदिर की स्थापना लगभग 54-55 वर्ष पूर्व हुई थी। दशकों से यह मंदिर क्षेत्र के लोगों की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। अब मंदिर रोड लेवल से नीचे हो गया था। उन्होंने कहा कि समय के साथ मंदिर भवन को भव्य रूप देने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसके लिए आज भूमि पूजन संपन्न किया गया है।

महेंद्रगढ़। मंदिर के पुनर्निर्माण की नींव रखते विधायक कंवरसिंह एवं अन्य।

निर्माण कार्य का लक्ष्य

हनुमान भक्त मनीष राजपूत ने निर्माण योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह मंदिर अत्यंत भव्य और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनेगा। कमेटी का लक्ष्य है कि मंदिर का निर्माण कार्य आगामी हनुमान जयंती से पहले पूर्ण कर लिया जाए, ताकि भक्त नए भवन में पवनपुत्र के दर्शन कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य यजमान सुंदरलाल मुकदम तथा सैनी सभा के पूर्व उपप्रधान कैलाश सैनी, सैनी सभा के पूर्व प्रधान रामसैनी, नरेश सैनी, पंकज सैनी, धोलिया हलवाई, मास्टर बनवारी लाल, भगवान सिंह, छाजूराम, जिलेसिंह फौजी, प्रकाश सैनी, जेडी सैनी, आरती, ओमप्रकाश हलवाई, सैनी सभा के सचिव होशियार सैनी, उपप्रधान महादेव सैनी, मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन कृष्ण सैनी, ईश्वर आढ़ती, लक्ष्मी नारायण और किशोरी लाल गुर्जर, राजकुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर कमेटी द्वारा अतिथियों का जोरदार स्वागत किया गया। पूजा की समाप्ति के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच खीर और लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

मोहम्मदपुर के अमित यादव बने अनुभाग अधिकारी

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर निवासी अमित यादव ने हरियाणा राज्य में अनुभाग अधिकारी के पद पर चयनित होकर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाले अमित यादव पुत्र रमेश चंद यादव, वर्तमान में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने नौकरी के साथ-साथ निरंतर अध्ययन करते हुए कड़ी मेहनत और अनुशासन के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। अमित यादव ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने स्वर्गीय दादा हरि सिंह बोहरा, परदादी-दादी, माता-पिता, भाई-बहन, धर्मपत्नी डॉक्टर सोनू, बच्चों व पूरे परिवार को दिया। साथ ही उन्होंने हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के सहकर्मियों एवं अपने गुरुजनों योगेश जांगड़ा (लेखा अधिकारी), वरुण माहेश्वरी (सीए) और कुलदीप जांगड़ा (महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य परिवहन विभाग, नूंह) का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। अमित यादव की सफलता से गांव मोहम्मदपुर में खुशी का माहौल है और उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

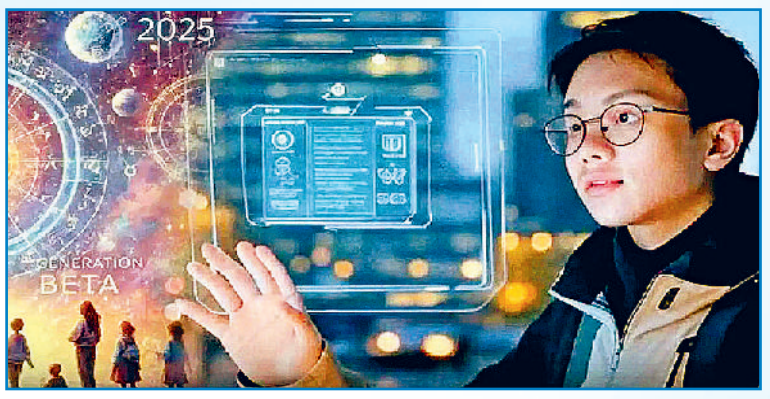

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

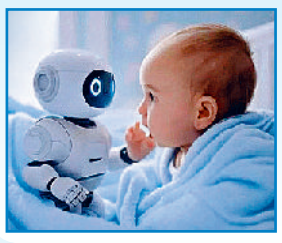

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

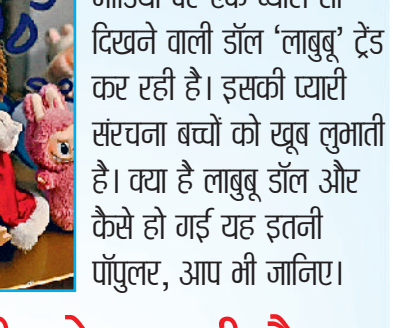
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

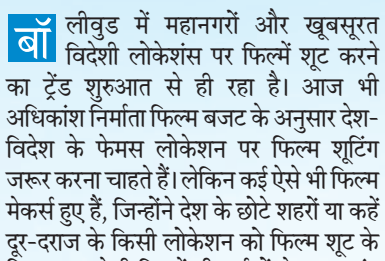
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *